इको कल्ब का संगठन

सं. कं.	महाविद्यालय का नाम पते/फोन नंबर/ईमेल सहित	सदस्यों का नाम पदनाम	प्राध्यापक का पदनाम/विद्यार्थी की कक्षा	ई–मेल	रिमार्क
1	शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय भोपाल – 0755–2555326 ईमेल– hegaccbho@mp.gov.in	महाविद्यालय प्राचार्य –सरंक्षक – डॉ. राजीव चौबे, प्रभारी प्राचार्य	अभिषक अय्यर प्रथम वर्ष	–	–
2		प्रभारी प्राध्यापक– डॉ. रीता सचदेव प्रा0 वाणिज्य	साक्षी साखरे प्रथम वर्ष	–	–
3		प्रभारी प्राध्यापक – डॉ. संगीता गौर, सहा. प्रा0 अग्रेंजी डॉ. बिन्दु महावर, सहा. प्रा0 अर्थषास्त्र	निखिल धाकड़ , बी.कॉम द्वितीय वर्ष	–	–
4		सदस्य– डॉ. रष्मि केला होलानी	अभिषेक मुंदेरिया , बीबीए द्वितीय वर्ष	–	–
5			चंदन संकट , बीबीए द्वितीय वर्ष	–	–
6			ममता शर्मा , बी. कॉम टीएण्डटी द्वितीय वर्ष	–	–
7			रितिका जैन , बी.कॉम टैक्स द्वितीय वर्ष	–	–
8			पूजा साहू , बी. कॉम प्लेन द्वितीय वर्ष	–	–

9			रूपेष वर्मा , बी. कॉम टैक्स द्वितीय वर्ष	–	–
1			प्रिया पवार, बी. कॉम टीएण्डटी द्वितीय वर्ष	–	–
1			लोकजीत वेद, बी.कॉम टैक्स द्वितीय वर्ष	–	–
1			मुकेश चंद्र, बी. कॉम टैक्स द्वितीय वर्ष	–	–
1			जयष राठौर बी. कॉम टीएण्डटी द्वितीय वर्ष	–	–

प्रभारी प्राचार्य

सांध्य दैनिक
नगर संस्करण
गुड इवनिंग
अलग अंदाज़, अलग नज़रिया
भोपाल, बुधवार 17 जुलाई 2019

पौधारोपण के बाद पेड़ बनने तक उनकी देखभाल करें, कम होगी ग्लोबल वार्मिंग

भोपाल। शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में मंगलवार 16 जुलाई को पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. राजीव चौबे ने छात्रों और शिक्षकों को पृथ्वी के संरक्षण की शपथ दिलवाई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि धरती को प्रदूषण से बचाने के लिए उसे अधिक से अधिक हरा-भरा बनाए रखने की कोशिश की जानी चाहिए, क्योंकि अगर धरती हरी-भरी रहेगी तो हमारा जीवन भी खुशहाल रहेगा।

गुड इवनिंग, भोपाल

यूं तो हम पौधारोपण, वृक्ष लगाने जैसे शब्दों का समर्थन करते हैं, किन्तु एक कदम आगे आकर पौधारोपण करने की नहीं सोचते। इतना भी सोचो की यदि प्रति व्यक्ति 5-5 पौधे लगाये व उसको पेड़ के बनते तक देखभाल करे तो, ग्लोबल वार्मिंग का दंश झेल रहा भारतवर्ष और पूरा विश्व एक पूर्ण सुव्यस्थित पर्यावरणीय शुद्ध वातावरण व्याप्त हो जायेगा विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 2-4 लाख लोगों की मौत का कारण सीधे सीधे वायु प्रदूषण है, जबकि इनमे से 1-5 लाख लोग आंतरिक वायु प्रदूषण से मरे जाते है।

बच्चों पर प्रभाव

दुनिया भर के अत्यधिक वायु प्रदूषण वाले शहरों में ऐसी संभावना है कि उनमे रहने वाले बच्चों में कम जन्म दर के अतिरिक्त अस्थमा, निमोनिया और दूसरी श्वास सम्बन्धी परेशानियाँ विकसित हो सकती है। यदि शासकीय वृक्षारोपण की बात करें तो वो केवल एक दिखावा मात्र है, यदि ग्लोबल वार्मिंग, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, अकाल जैसी भयानक मुसीबतों की फिक्र होती, तो भारतवर्ष सहित विश्व में संविधान लागू के एक वर्ष में इसका उपाय ढूंढकर इसे व्यवस्थित किया सकता था, इस तरह नए नए कानून बनाने की आवश्यकता नहीं होती।

बड़ी समस्या है आलस

शासकीय मद से वृक्षारोपण के लिये करोड़ो रुपये लगाये जाते है, वृक्षों की सुरक्षा के लिये करोड़ो रुपये के शेड लगाये जाते है, लेकिन इन सबका क्या अर्थ है, जब तक की वृक्षों की उचित देखभाल नहीं की जाती है। वृक्षारोपण करते हुए कितने ही फोटो खिंचाये जाते है। प्रचार के लिये न्यूज, अखबार, पोस्टर में लाखों खर्च किये जाते है लेकिन एक महीने बाद ही वृक्षों की दशा दयनीय हो जाती है, वृक्षारोपण किया है, तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो ले। ऐसे पौधे लगाये जा रहे है जो जल्दी से उगते है, ऐसे पौधे हवा के छोटे तूफान से भी टूटकर बिखर जाते है, चलिए ये भी माना की ऐसे पौधे भी लगाना चाहिए, लेकिन ऐसे पौधे का क्या लाभ जो वातावरण को शुद्ध ही नहीं करते है।

यह है उपाय

ऐसे वृक्ष लगाया जाये जो हमारे वातावरण को स्वच्छ बनाये रखने के साथ साथ ही हमारे सेहत को बुरे प्रभावों (धूल, गंदगी, प्रदूषण) से बचाए, इसके लिये सबसे पहले इन्सान को वृक्षारोपण के फायदों के बारे मे जागरूक करना अति आवश्यक है लाभप्रदायी वृक्षों जैसे साल, सागौन, पीपल, नीम, बरगद, साजा आदि का वृक्षारोपण किया जाये, ₹15 रु./वृक्ष की दर से वृक्षारोपण का नया कानून बनाने से शायद इसमें गति आएगी, वृक्षारोपण से वृक्ष निर्माण तक देखरेख करने वालों को 5 रु./वृक्ष के हिसाब से प्रतिमाह रुपये प्रदान किये जायें, जैसे ही पौधा वृक्ष मे तैयार होता है, उस दिन 5% के हिसाब से उसका बोनस भी दिया जाये, इसके लिये पौधा का वितरण भी शासकीय या अशासकीय भी हो सकता है, हम सभी जनता को इतना तो ज्ञात है कि भारत वर्ष मे धन की कोई कमी नहीं।

भोपाल। राजधानी के अरेरा कॉलोनी स्थित नवीन हायर सेकंडरी स्कूल में गुरुपूर्णिमा के अवसर पर विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया और लगाए गए वृक्षों की देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य और शिक्षक भी मौजूद रहे।

भोपाल। शासकीय गीतांजलि कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक विद्यार्थी एक वृक्ष अभियान 2019 के तहत मंगलवार सोलह जुलाई को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अलका डेविड और कार्यक्रम की समन्वयक डॉ दिया मिश्रा विशेष रूप से मौजूद रहीं। इस अवसर पर छात्राओं ने पौधे रोप लिए और वृक्षारोपण के बाद उनकी देखभाल करने का संकल्प भी लिया।

भोपाल। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर राजधानी के सरकारी स्कूलों में पर्यावरण का तालमेल बनाये रखने और प्रदूषण को काम करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए गए है। इसी कड़ी में न्यू मार्केट स्थित शासकीय कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पौधरोपण के पेड़ लगाए गए। इस अवसर पर छात्राओं के साथ स्कूल की प्राचार्य पुष्पा राव और सीनियर शिक्षिका रेखा सिंह भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल रहीं।

ग्रीन कॉलेज अभियान...

भोपाल। शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. राजीव चौबे मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने छात्र-छात्राओं से इस वर्ष कॉलेज परिसर में ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने की अपील की और उन्हें पर्यावरण सुधार के प्रयासों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का संकल्प दिलवाया।

GE
नगर संस्करण
गुड इवनिंग
सांध्य दैनिक
अलग अंदाज, अलग नज़रिया
भोपाल, रविवार 07 जुलाई 2019

बीज बैंक से होगा पर्यावरण संरक्षण : डॉ. राजीव चौबे

गुड इवनिंग, भोपाल

अक्सर देखा जाता है कि भारत में रहने वाला प्रत्येक किसान बीज की समस्या को लेकर परेशान रहता है। किसानों की परेशानी हमेशा उनके मन में ही रह जाती है, उनको कभी भी उनकी समस्या का हल नहीं मिल पाता है। बीजों से संबंधित किसानो की समस्या को सामने लाने और बीज बैंक के बारे में बताने के लिए शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में एक बीज बैंक की स्थापना की गयी है। हरियाली लाये सेवा समिति के द्वारा स्थापित किए इस बीज बैंक का शुभारम्भ कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ राजीव चौबे ने किया। इस मौके पर डॉ राजीव चौबे का कहना था की जिन फलों के बीजो को छात्र छात्राए खा कर कचरे की टोकरी में फेंक देते है उन्हे बीज बैंक में जमा करके उपयोग में लिया जा सकता है। इन बीजो को बैंक से निकालकर धो और सुखाकर अगर इन्हे जंगल में फेंक दिया जाए तो जंगलो में फलदार पेड़ और वृक्ष उगाये जा सकते है। उनका कहना था की इससे ना केवल पर्यावरण शुद्ध और साफ रहेगा बल्कि पर्यावरण में संतुलन भी रहेगा। इस अवसर पर कालेज के छात्र छात्राओं ने बीज बैंक में बीज डालने का संकल्प भी लिया। बीज बैंक के शुभारम्भ अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थीयो के साथ नवीन कॉलेज का शैक्षणीक और कार्यालयीन स्टॉफ भी मौजूद था।

भोपाल। शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) कॉलेज में बुधवार को पौधारोपण कार्यक्रम एक अभियान धरती का शृंगार आयोजित किया गया जिसमें एनसीसी और एनएसएस के छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर एनएसएस के स्वयंसेवकों ने लगाए पौधों पर अपने नाम की पट्टिका लगाई और पौधं के साथ सेल्फी लेते हुए उन्हें बड़ा होने तक संरक्षित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंतिम तिवारी मौजूद रही।

2019

सिटी

व्यक्तित्व निर्माण में सौम्य व्यवहार जरूरी : डॉ. कोरी

गुड इवनिंग, भोपाल

शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) कॉलेज में मंगलवार को हरियाली महोत्सव और व्याख्यान का आयोजन किया गया। कॉलेज में हरियाली महोत्सव का आयोजन एनसीसी कैडेट्स ने अपने अधिकारियों के साथ किया।

इस अवसर पर अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर उन्हें अपना मित्र बनाने और उनका संरक्षण किए जाने की बात कही गई। इस मौके पर एनसीसी अधिकारी रामदुलार यादव, शैलेन्द्र कुमार राय, राजेंद्र तिवारी और एनएसएस के छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. अंतिम तिवारी ने वृक्षों को सहेज कर उनके रक्षा करने की बात कही। इधर कॉलेज के व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ ने एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए समाजशास्त्र की प्रोफेसर डॉ. कलावती कोरी का कहना था कि आज के युग में छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण में शिष्टाचार, सभ्यता और सौम्य व्यवहार अत्यंत आवश्यक है। यही सब वे तत्व है जो उनके सन्तुलित व्यवहार के लिए अतिआवश्यक है। व्याख्यान में बोलते हुए प्राचार्य डॉ तिवारी ने संस्कृति, सभ्यता, धर्म, भाषा और विचारो की विविधता और उससे व्यक्तित्व पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव को सबके लिए जरूरी बताया और सभी को इन बातों को आत्मसात करने की अपील की।

सांध्य दैनिक
गुड इवनिंग
नगर संस्करण
अलग अंदाज़, अलग नज़रिया
भोपाल, गुरुवार 11 जुलाई 2019

पर्यावरण को लेकर जागरूकता अभियान

गुड इवनिंग, भोपाल

राजधानी के प्रतिष्ठित शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में पर्यावरण को लेकर बुधवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसके माध्यम से वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और भूमि प्रदूषण के बारे में विद्यार्थियों ने सबका ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर एक रैली भी निकाली गयी जिसमे कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजीव चौबे भी शामिल रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा की पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। आज सभी को प्रदूषण रोकने और उससे होने वाले खतरो के बारे में आम लोगो को जागरूक करने का संकल्प लेना चाहिए।